

علوم و فنون

- ۱- گزینه «۲» - سال‌های پس از جنگ، دوران اوج رمان‌نویسی در ایران بود که تقریباً در سراسر دهه‌ی هفتاد تداوم یافت. (مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هفتم - تاریخ ادبیات)
- ۲- گزینه «۳» - بررسی موارد نادرست: «گوشواره‌ی عرش، خواب ارغوانی و برآشفتن گیسوی تاک از سید علی موسوی گرما رودی «از آسمان سبز و دری به خانه‌ی خورشید» از سلمان هراتی است. طوفان در پرائنز و «بی‌بال پریدن» از آثار منثور قیصر امین‌پور است. (مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هفتم - تاریخ ادبیات)
- ۳- گزینه «۱» - آثار علی مؤذنی: سفر ششم، ملاقات در شب آفتابی، دلاویزتر از سبز و ظهور / آثار سید مهدی شجاعی: بدوک، ضیافت، جای پای خون، کشتی پهلوی گرفته. (مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هفتم - تاریخ ادبیات)
- ۴- گزینه «۴» - اولین رمان اجتماعی در سال ۱۳۰۱ با نام «تهران مخوف» از مرتضی مشفق کاظمی / اولین مجموعه داستان از جمالزاده در سال ۱۳۰۱ با عنوان «یکی بود یکی نبود» / اولین نمایشنامه با عنوان «جعفرخان از فرنگ برگشته» از حسن مقدم / اولین رمان تاریخی با عنوان «شمس و طغرا» از محمد باقر مجلسی. (مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هفتم - تاریخ ادبیات)
- ۵- گزینه «۱» - «زمستان ۶۲» از اسماعیل فصیح و شهری چون بهشت از سیمین دانشور است. (مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هفتم - تاریخ ادبیات)
- ۶- گزینه «۴» - استعاره: عتاب شیشه بر سنگ می‌زد (تشخیص)، عقیق: لب / کنایه: شیشه بر سنگ زدن: با عتاب و خشم سخن گفتن، در جنگ نرخ بریدن: ارزش و قیمت گذاشتن برای چیزی در جنگ (دنبال صلح بودن) بررسی سایر گزینه‌ها:
گزینه «۱»: «استعاره: ماه (صورت و چهره)، مه (چهره) و مروارید (قطره‌های اشک) / کنایه: مروارید فشاندن: اشک ریختن
گزینه «۲»: کنایه: پر آتش شدن چشم: کور شدن (آتش در چشم باد و کور شوم) / استعاره ندارد.
گزینه «۳»: کنایه: هم حقه ساختن: هم جای ساختن (هم ظرف ساختن - در یکجا قراردادن (می‌گوید مرا با آن شخص در یک جای قرار می‌دهی؟)، حقه‌بازی ساختن: کنایه از جادوگری کردن / استعاره ندارد.
(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - آرایه‌های ادبی - ترکیبی)
- ۷- گزینه «۱» - بررسی آرایه‌ها: الف) نرگس: استعاره از ستاره‌ها و گل زرد: استعاره از خورشید / ب) مجاز: می در دست: می مجاز است (جام می در دست باید باشد) / ج) تشبیه: سر شب و تن روز: اضافه‌ی تشبیهی (توضیح: نباید شب را یک فرد و روز را یک فرد دیگر به حساب آوریم چون سر را از تن یک نفر جدا می‌کنند، نه اینکه سر یک فردی را از تن یک فرد دیگر جدا کنند. شاعر می‌گویند شب که مانند سر است از تن که مانند روز است جدا شد؛ به عبارتی دیگر شاعر آسمان را مانند فردی در نظر گرفته است که شب به‌عنوان سر او و روز به‌عنوان تن او است و خورشید شب (سر) را از روز (تن). جدا می‌کند و روز می‌شود. / د) دل دادن: کنایه از دلگرمی و امید دادن (دقت کنید که مصراع دوم بیت (ج) کلاً یک کنایه است: سر شب را از تن روز جدا کردن: روز شدن) (مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - آرایه‌های ادبی - ترکیبی)
- ۸- گزینه «۳» - جناس: گل و گل / تضاد: اول و آخر / تشبیه: مرا همچو گل از پای سود، مرا همچو گل از دست داد. دوست و دست جناس افزایشی دارند. بررسی سایر گزینه‌ها:
گزینه «۱»: سرای وصل: تشبیه (اضافه تشبیهی) / تضاد و جناس ندارد. (دل گام نهاد: تشخیص دارد).
گزینه «۲»: تشبیه: خنجر چون پرند (شمشیر) با زینت است، خون دل حاسدان مانند نقش پرند تو باشد. / تضاد و جناس ندارد.
گزینه «۴»: تشبیه: یار عیسی لب است. / جناس: دم، قدم / تضاد ندارد.
(مژده‌عنبران) (پایه دهم و یازدهم - آرایه‌های ادبی - ترکیبی)
- ۹- گزینه «۱» - سر ایام (ایام مانند انسانی که سر دارد)، عشق کلاه نهاد بر سر ایام: تشخیص، قد امید: امید مانند انسانی که قد و قامت دارد، مهر قبا برقد امید برید: تشخیص (۴ استعاره وجود دارد). بررسی سایر گزینه‌ها:
گزینه «۲»: دل چرخ‌سای و ستاره فسای بود، چرخ کمین گشاد و ستاره کمان کشید: همگی تشخیص هستند (۳ استعاره)
گزینه «۳»: دست غمزه (غمزه به انسان تشبیه شده)، دیده (چشم) تیغ را آب می‌دهد (تشخیص) (۲ استعاره)
گزینه «۴»: نرگس استعاره از چشم، خندیدن گلبن و گفتن بلبل تشخیص است.
(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس اول - آرایه‌های ادبی)

۱۰- گزینه «۳» - در این بیت هیچگونه اختیار وزنی به کار نرفته است:

| | | | | | | | | | | | | |
|----|----|---|----|----|---|-----|---|----|---|---|-----|----|
| نی | م | ن | ن | ها | ک | شَم | ت | طا | و | ل | زُل | غت |
| - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - | - |
| نی | ست | ک | او | دا | غ | آن | س | یا | ه | ن | دا | رد |

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۱»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|---|----|---|----|---|---|----|-----|---|----|---|------|
| دی | دی | ک | یا | ر | جز | س | ر | جو | رُو | س | تم | ن | داشت |
| - | - | U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - |
| پش | کس | ت | عه | د | وز | غ | م | ما | هی | چ | غم | ن | داشت |

(بلند بودن هجای پایان مصراع: هجای پایان مصراع کشیده است، اما بلند به حساب می‌آید.)

گزینه «۲»:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|---|-----|----|---|---|----|----|---|---|----|----|---|---|-----|
| مَط | ر | با | پر | د | ب | گر | دا | ن | ب | زن | را | ه | ع | راق |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - |
| ک | ب | دین | را | ه | ب | شد | یا | ز | ز | ما | یا | د | ن | کرد |
| U | U | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

(استفاده از فعلاتن به جای فاعلاتن در ابتدای مصراع دوم / بلند به حساب آوردن هجای آخر مصراع‌ها)

گزینه «۴» -

| | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|---|-----|----|---|---|-----|-----|---|---|----|----|---|---|----|
| رَه | ز | ن | ده | ر | ن | خَف | تَس | ت | م | شو | ای | م | ن | زو |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - |
| آ | گ | رِم | رو | ز | ن | بُر | دَس | ت | ک | فر | دا | ب | ب | رد |
| U | U | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

(استفاده از فعلاتن به جای فاعلاتن در ابتدای مصراع دوم)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۱- گزینه «۲» - شاعر در پایان مصراع دوم به جای «فَعِلَن»، «فَعُنْ» به کار برده است:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|-----|----|----|---|---|-----|-----|---|-----|---|----|----|----|-----|
| ب | خل | ق | لط | ف | ت | وان | کر | د | صی | د | آه | ل | ن | ظَر |
| U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - |
| ب | بَن | دُ | دا | م | ن | گی | رَن | د | مُر | غ | دا | نا | را | |
| | | | | | | | | | | | | UU | - | |

گزینه «۱»:

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----|-----|-----|----|----|-----|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| م | نز | آن | حس | ن | رو | زف | سون | ک | یو | سف | دا | شت | دا | نس | تم |
| U | - | - | - | U | - | - | - | U | - | - | - | U | - | - | - |
| ک | عش | قَز | پَر | دِ | ی | عِص | مت | بُ | رو | نا | رد | زُ | لی | خا | را |

گزینه «۳»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|----|----|---|----|-----|----|---|---|-----|----|----|----|
| با | ر | ها | گف | ت | ا | مُو | با | ر | د | گر | می | گو | یم |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | - | - |
| ک | م | ن | دل | ش | دِ | این | ره | ن | ب | خُد | می | بو | یم |

(در این بیت ابدال وجود ندارد اما اختیار وزنی «استفاده از فعلاتن به جای فاعلاتن» در ابتدای مصراع دوم به کار رفته است.)

گزینه «۴»:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|----|----|---|---|-----|----|----|---|----|----|----|----|-----|
| آن | ک | بی | جر | م | ب | رَن | جی | دُ | ب | تی | غم | زُ | دُ | رفت |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - |
| با | ز | شا | ری | د | خ | دا | را | ک | ص | فا | ئی | ب | کُ | نیم |

(در این بیت، هجای کشیده‌ی آخر مصراع‌ها بلند حساب می‌شود اما اختیار ابدال ندارد.)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۲- گزینه «۴» -

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|---|----|---|----|---|----|-----|---|---|----|---|----|---|----|
| طر | ف | ک | رم | ز | کس | ن | بس | تین | د | ل | پر | أ | می | د | من |
| - | U | U | - | U | - | U | - | - | U | U | - | U | - | U | - |

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۱»:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|---|----|----|----|---|----|----|----|---|----|----|----|----|-----|
| سَر | ف | را | زم | کن | ش | بی | از | وص | ل | خو | دی | نا | زَ | نین |
| - | U | - | - | - | U | - | - | - | U | - | - | - | U | - |

(فاعلاتن فاعلاتن فاعلاتن فاعلن)

گزینه «۲»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|---|----|----|-----|----|----|-----|----|----|----|----|----|
| خا | هی | ک | سخ | تَ | سُس | تِ | جَ | هان | بر | تَ | بگ | دَ | رد |
| - | - | U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - |

(مفعول فاعلاتن مفاعیل فاعلن)

گزینه «۳»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| دا | مَ | نَ | گر | بر | زَ | ند | را | یِ | فَ | رو | زا | نِ | او |
| - | U | U | - | - | U | - | - | U | U | - | - | U | - |

(مفتعلن فاعلن مفتعلن فاعلن)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۳- گزینه «۱» - شاعر در رکن سوم مصراع اول، به جای مفتعلن، مفاعیل آورده است:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|-----|----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|----|
| کی | ست | ک | پی | غا | مَ | مَن | بِ | شَه | رِ | شیر | وان | بَ | زد |
| - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | - | - | U | - |
| یک | سُ | خَ | نز | مَن | بَ | دان | مَر | دِ | سُ | خَن | دان | بَ | رد |
| - | U | U | - | - | U | - | - | U | U | - | - | U | - |

در مصراع اول هجای ۸ باید با هجای ۹ جابه‌جا شود. (مفتعلن فاعلن، مفتعلن فاعلن)

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۲»:

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|-----|----|----|---|----|-----|---|----|----|---|----|----|----|
| شم | عَ | سَ | حر | گ | هی | أ | گر | لا | ف | ز | عا | ر | ضِ | تَ | زد |
| - | U | U | - | U | - | U | - | - | U | U | - | U | - | U | - |
| خص | م | ز | بان | دِ | را | ز | شد | خَن | ج | رِ | آ | ب | دا | ر | کو |

گزینه «۳»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|---|---|----|----|----|---|----|----|----|--------|
| گر | ب | دی | گف | ت | ح | سو | دی | یِ | ر | فی | قی | رن | جید |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | - | - |
| گو | تَ | خش | با | ش | ک | ما | گو | ش | ب | اح | مق | نَ | کُ نیم |
| - | U | | | | | | | | | | | U | U |

(در پایان مصراع اول شاعر به جای فَعِلَن از فَعْلَن استفاده کرده است.)

گزینه «۴»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|----|-------|----|----|---|----|----|----|----|----|----|-----|----|-----|
| در | شَأْن | نِ | من | ب | در | د | ک | شی | ظن | نِ | بَد | مَ | بَر |
| - | - | U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - |
| کا | لو | دِ | گش | ت | جا | مِ | وَ | لی | پا | ک | دا | مَ | نَم |

(در این بیت هیچگونه اختیار شاعری به کار نرفته است)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۴- گزینه «۱» -

| | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|----|---|----|---|-----|----|---|---|----|-----|---|----|-----|
| از | د | ما | غ | م | ن | سَر | گش | ت | خ | یا | ل | د | ه | نت |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - |
| ب | ج | فا | ی | فَ | ل | کو | غص | ص | ی | دو | ران | ن | رَ | وَد |

(وزنی: استفاده از فاعلاتن به جای فعلاتن در ابتدای مصراع اول / زبانی: بلند تلفظ کردن هجای کوتاه: کسره‌ی اضافه در هجای چهارم و دوازدهم مصراع اول، همچنین بلند تلفظ کردن (واو) عطف در هجای هفتم مصراع دوم)
بررسی سایر گزینه‌ها:
گزینه «۲»:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|----|----|---|----|-----|----|---|---|----|----|---|----|----|
| گر | ب | سر | من | ز | ل | سَل | ما | ر | س | ی | با | د | صَ | با |
| چش | م | دا | رم | ک | سَ | لا | می | پ | ر | سا | نی | ز | مَ | ش |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - |

(حذف همزه در هجای یازدهم مصراع اول (اختیار زبانی))

گزینه «۳» -

| | | | | | | | | | | |
|---|----|----|----|---|----|----|----|----|----|----|
| م | با | دا | جز | ح | سا | ب | مط | ر | بو | می |
| U | - | - | U | - | - | - | - | U | - | - |
| ا | گر | نق | شی | ک | شد | کل | ک | دَ | بی | رم |

(زبانی: بلند تلفظ کردن هجای کوتاه هفتم (کسره) و (واو) عطف (هجای دهم) در مصراع اول و بلند تلفظ کردن کسره‌ی اضافی (هجای کوتاه) در هجای هشتم مصراع دوم)

گزینه «۴» -

| | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|-----|
| هر | ک | با | آن | شا | خ | نر | گس | بش | کُ | فد |
| - | U | - | - | - | U | - | - | - | U | - |
| گل | رُ | خا | نش | دی | دِ | نر | گس | دان | کُ | نند |

(بلند تلفظ کردن هجای کشیده‌ی پایان مصراع دوم (اختیار وزنی))

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس پنجم و هشتم - عروض و تشخیص وزن - ترکیبی)

۱۵- گزینه «۳» -

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|---|----|---|----|----|----|----|---|---|----|----|----|---|----|
| هر | گ | ل | نو | ز | گل | رُ | خی | یا | د | ه | می | کُ | ند | و | لی |
| - | U | U | - | U | - | U | - | - | U | U | - | U | - | U | - |

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۶- گزینه «۲» -

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|-----|----|----|---|---|----|----|---|-----|---|----|---|---|----|------|
| م | نین | خُ | رو | ف | ن | وش | تم | چ | نان | ک | غی | ر | ن | دا | بُست |
| U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - | - |

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۱» و «۳»: مفاعِلن فَعَلاتن مفاعِلن فَعِلن (در پایان مصراع دوم به جای فَعِلن، فَعُن آمده است.)

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----|---|----|----|----|----|----|----|----|---|----|----|----|----|
| ن | یم | ز | شا | ه | دُ | سا | قی | ب | هی | چ | با | ب | خ | جل |
| U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - |
| ق | را | ر | بر | دِ | ز | من | آن | دُ | نر | گ | س | رع | نا | |

گزینه «۴» -

| | | | | | | | | | | |
|---|----|----|----|---|----|---|----|---|----|----|
| چ | پی | را | هن | ش | وم | ا | سو | د | خا | طر |
| U | - | - | - | U | - | - | - | U | - | - |

مفاعِلن مفاعِلین فَعولن

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۷- گزینه «۱» -

| | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|----|----|----|----|---|----|----|---|----|-----|----|----|----|----|
| مَن | ک | با | شم | ک | ن | نو | شم | ب | چُ | زَر | را | وُ | ق | خم |
| - | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - |
| چ | کُ | نم | گر | سُ | خ | ن | پی | ر | مُ | غا | ن | نن | یو | شم |
| U | - | - | - | U | U | - | U | U | - | U | - | - | - | - |

(مصراع اول ۱۵ هجا، مصراع دوم ۱۴ هجا)

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۲» -

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|-----|----|----|---|---|----|----|----|----|---|-----|---|----|-----|
| ا | زین | سَ | مو | م | ک | بر | طر | ف | بو | س | تان | ب | گ | دشت |
| ع | جب | ک | بو | ی | گ | لی | هس | تَ | رن | گ | نس | ت | رَ | نی |
| U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - |

(هر مصراع از ۱۵ هجا تشکیل شده است.)

گزینه «۳»:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|----|-----|----|---|----|-----|-----|---|----|----|-----|----|----|
| سو | خ | تم | در | چا | ه | صب | رز | بِه | ر | آن | شم | ع | چ | گل |
| شا | ه | تر | کان | فا | ر | غس | تَز | حا | ل | ما | کو | رَس | تَ | می |
| - | U | - | - | - | U | - | - | U | U | - | - | - | U | - |

(هر مصراع از ۱۵ هجا تشکیل شده است.)

گزینه «۴»:

| | | | | | | | | | | |
|---|----|----|----|----|----|-----|-----|----|-----|-----|
| ج | وا | نا | سر | مَ | تا | بز | پَن | دِ | پی | ران |
| ک | را | ی | پی | ز | از | بِخ | تَ | جَ | وان | به |
| U | - | - | - | U | - | - | - | U | - | - |

(هر مصراع از ۱۵ هجا تشکیل شده.)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۸- گزینه «۳» - هجاهای «این، شعر و عصر» کشیده هستند. اما در گزینه‌های دیگر دو هجای کشیده وجود دارد:
گزینه «۱»: قوب (در یعقوب) ریر (در ضریر)، گزینه «۲»: زاد (در نژاد)، نین (در چنین)، گزینه «۴»: بخت، سعد
(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۱۹- گزینه «۱» -

| | | | | | | | | | | | |
|---|----|----|---|---|----|---|----|---|---|---|----|
| ف | لک | بر | ذ | ر | او | چ | چو | ب | ذ | ر | او |
| U | - | - | U | U | - | U | - | U | U | U | - |

(۷ هجای کوتاه)

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۲»:

| | | | | | | | | | | | |
|---|----|----|---|----|---|---|----|----|---|----|----|
| ب | را | رد | ز | جی | ب | ف | لک | دس | ت | مو | سی |
| U | - | - | U | - | U | U | - | - | U | - | - |

(۵ هجای کوتاه)

گزینه «۳»:

| | | | | | | | | | | | |
|---|----|----|---|----|----|---|----|----|---|----|----|
| ا | گر | بو | ی | خش | مش | ب | رد | مغ | ز | در | یا |
| U | - | - | U | - | - | U | - | - | U | - | - |

(۴ هجای کوتاه)

گزینه «۴»:

| | | | | | | | | | | | |
|---|----|-----|---|---|---|---|---|-----|---|----|----|
| پ | لا | سَف | ک | ن | آ | خ | ر | مَر | گ | با | نش |
| U | - | - | U | U | - | U | U | - | U | - | - |

(۶ هجای کوتاه)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۲۰- گزینه «۴» - در این بیت از اختیار شاعری استفاده نشده است.

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----|---|-----|---|---|----|----|---|----|---|----|---|---|----|
| ع | تا | ب | یا | ر | پ | ری | چه | ر | عا | ش | قا | ن | ب | کش |
| U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - |
| ک | یک | ک | رِش | م | ت | لا | فی | ی | صد | ج | فا | ب | ک | ند |

بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۱»:

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|----|---|----|----|-----|---|----|----|-----|---|----|----|----|---|----|
| دا | نم | س | را | رد | غص | ص | را | رن | گین | ب | را | رد | قص | ص | را |
| - | - | U | - | - | - | U | - | - | - | U | - | - | - | U | - |
| این | آ | ه | خو | نف | شان | ک | من | هر | صب | خ | هر | شا | می | ز | غم |

(حذف همزه (اختیار زبانی) در هجای چهارم و دوازدهم مصراع اول و هجای پنجم مصراع دوم)

گزینه «۲»:

| | | | | | | | | | | | | | |
|-----|----|---|----|---|----|---|---|----|----|---|----|---|-----|
| زان | پی | ش | تر | ک | عا | ل | م | فا | نی | ش | ود | خ | راب |
| - | - | U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - |

(اختیار وزنی: بلند حساب کردن هجای کشیده‌ی پایان مصراع اول)

گزینه «۳»:

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----|---|----|---|---|----|----|---|----|---|----|----|---|----|
| م | دا | ر | نق | ط | ی | بی | نش | ز | خا | ل | تس | ت | م | را |
| U | - | U | - | U | U | - | - | U | - | U | - | U | U | - |
| ک | قد | ر | گو | ه | ر | یک | دا | ن | جو | ه | ری | را | | ند |
| - | | | | | | | | | | | | | - | - |

(اختیار وزنی: استفاده از فع لن، به‌جای فَعَلِن در پایان مصراع دوم)

(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - درس پنجم و هشتم - عروض و تشخیص وزن - ترکیبی)

۲۱- گزینه «۴» -

| | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|----|---|-----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|----|----|
| پرس | مَ | ک | دان | چن | لِ | گ | هش | یا | سِ | فِ | زُل | مز | رَ | دا |
| - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | U | - | - | U | - |
| پرس | مَ | ک | مان | سا | رُ | سَ | بی | ام | دِ | شُ | زو | نان | چ | ک |

(آوردن فاعلاتن به جای فعلاتن در ابتدای مصراع اول - حذف همزه در هجای سوم مصراع اول - و بلند بودن هجای کشیده در پایان هر دو مصراع)

(نکته: توجه کنید که آوردن فاعلاتن به جای فعلاتن از اختیارات وزنی است و برعکس آن یعنی آوردن فعلاتن به جای فاعلاتن درست نیست.)
(مژده‌عنبران) (پایه دوازدهم - دروس پنجم و هشتم - عروض و تشخیص وزن)

۲۲- گزینه «۴» - شعوده: تردستی و چابکی دست / طبله: صندوقچه (مژده‌عنبران) (پایه یازدهم و دوازدهم - املا - ترکیبی)

۲۳- گزینه «۴» - بیت صورت سؤال و گزینه «۴» اشاره دارد به گریه کردن و اشک ریختن در غم به وجود آمده. بررسی سایر گزینه‌ها:

گزینه «۱»: در تابوت را با احترام باز کردن / گزینه «۲»: حتی دشمنان را هم که دوست دارند مرا در این داغ ببینند راه بدهید / گزینه «۳»: زیور و زینت را به خاطر سوگ فرزند شاعر کنار گذاشتن. (مژده‌عنبران) (پایه یازدهم - درس نهم - معنی و مفهوم)

۲۴- گزینه «۱» - مفهوم بیت گزینه «۱»: عمر را در گناه و عصیان می‌گذرانیم (باید در عبادت بگذرد). مفهوم گزینه‌های ۴ و ۳ و ۲ همگی بر گذر سریع عمر تأکید دارد. (مژده‌عنبران) (پایه یازدهم - درس دوازدهم - معنی و مفهوم)

۲۵- گزینه «۲» - مفهوم بیت سؤال و گزینه «۲»: با تکبر و غرور در این دنیا زندگی مکن چون فردا خواهی مُرد. بررسی سایر گزینه‌ها:
گزینه «۱»: ای معشوق با ناز و خُرام به باغ بیا و ببین که سرو برای زیبایی تو قیام کرده است.

گزینه «۳»: روح و روان آدمی با گذشت عمر تیره می‌شود.

گزینه «۴»: از فرصت اندک باقی‌مانده نهایت استفاده را بکن (از عمر باقی‌مانده به‌درستی بهره ببر).

(مژده‌عنبران) (پایه یازدهم - درس دوازدهم - معنی و مفهوم)